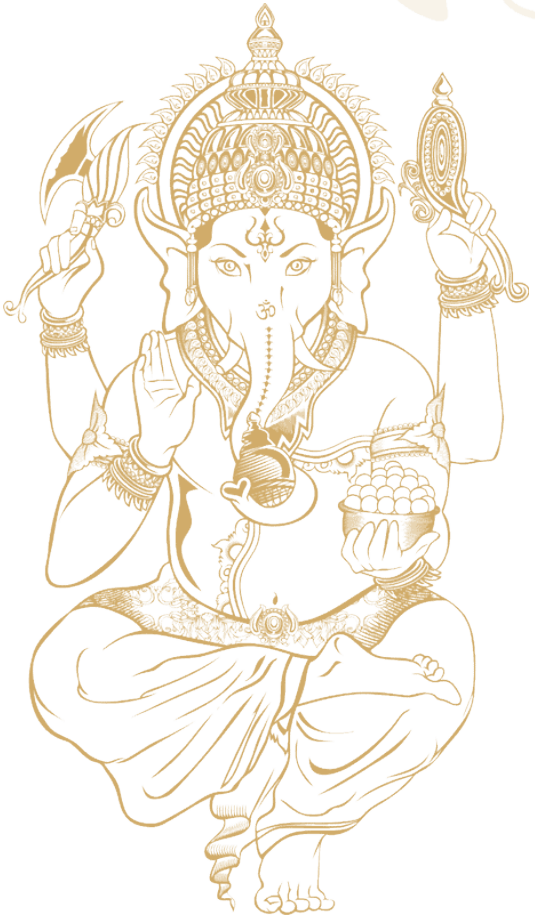

Mr.

02 Aug 2007

01:40 AM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119257302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/08/2007**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:40:00 घंटे**
इष्ट	49:10:39 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:11:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:22 घंटे
साम्पातिक काल	21:51:49 घंटे
सूर्योदय	05:59:44 घंटे
सूर्यास्त	19:09:20 घंटे
दिनमान	13:09:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:14:13 कर्क
लग्न के अंश	15:14:57 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:14:57	364:05:25	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			कर्क	15:14:13	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	21:32:26	14:07:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			वृष	02:28:42	00:39:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
बुध			कर्क	00:35:27	01:49:25	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु	व		वृश्चि	16:00:27	00:00:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	08:28:33	00:12:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	02:01:26	00:07:25	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	13:15:02	00:00:35	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	13:15:02	00:00:35	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:08:42	00:01:41	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	26:59:24	00:01:35	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	02:40:19	00:01:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	01:43:51	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:54

लग्न-चलित

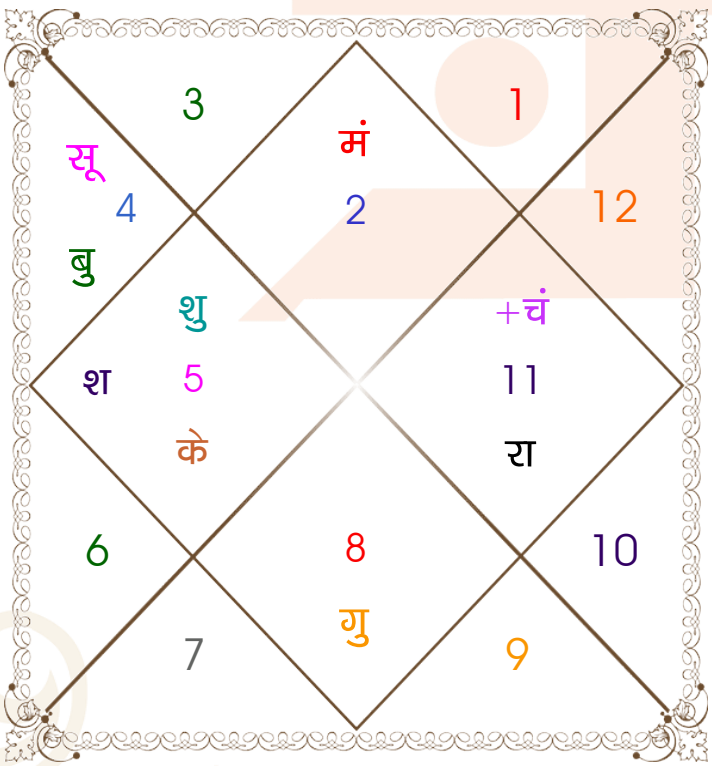

चन्द्र कुंडली

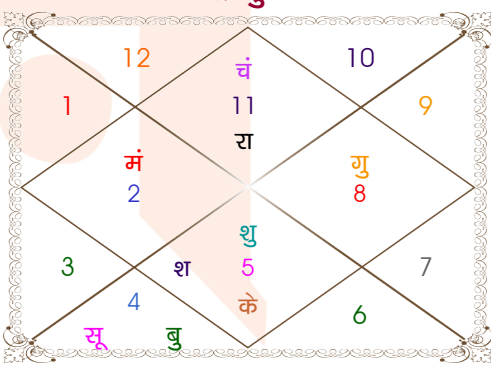

नवमांश कुंडली

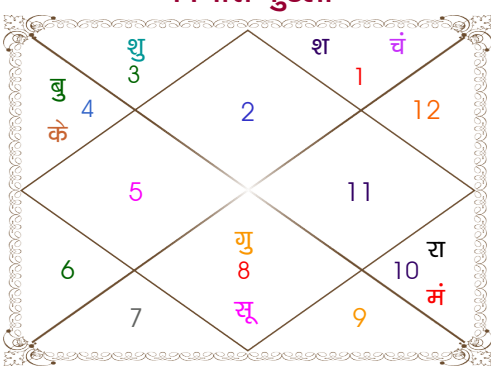

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 1 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/08/2007		25/09/2021		25/09/2040		25/09/2057		25/09/2064	
25/09/2021		25/09/2040		25/09/2057		25/09/2064		25/09/2084	
गुरु	14/11/2007	शनि	28/09/2024	बुध	22/02/2043	केतु	21/02/2058	शुक्र	26/01/2068
शनि	27/05/2010	बुध	08/06/2027	केतु	19/02/2044	शुक्र	24/04/2059	सूर्य	25/01/2069
बुध	01/09/2012	केतु	17/07/2028	शुक्र	20/12/2046	सूर्य	29/08/2059	चंद्र	26/09/2070
केतु	08/08/2013	शुक्र	17/09/2031	सूर्य	26/10/2047	चंद्र	30/03/2060	मंगल	26/11/2071
शुक्र	08/04/2016	सूर्य	29/08/2032	चंद्र	27/03/2049	मंगल	26/08/2060	राहु	25/11/2074
सूर्य	25/01/2017	चंद्र	30/03/2034	मंगल	24/03/2050	राहु	13/09/2061	गुरु	26/07/2077
चंद्र	27/05/2018	मंगल	09/05/2035	राहु	10/10/2052	गुरु	20/08/2062	शनि	25/09/2080
मंगल	03/05/2019	राहु	15/03/2038	गुरु	16/01/2055	शनि	29/09/2063	बुध	27/07/2083
राहु	25/09/2021	गुरु	25/09/2040	शनि	25/09/2057	बुध	25/09/2064	केतु	25/09/2084

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/09/2084		26/09/2090		26/09/2100		27/09/2107		26/09/2125	
26/09/2090		26/09/2100		27/09/2107		26/09/2125		00/00/0000	
सूर्य	13/01/2085	चंद्र	27/07/2091	मंगल	22/02/2101	राहु	09/06/2110	गुरु	03/08/2127
चंद्र	14/07/2085	मंगल	25/02/2092	राहु	13/03/2102	गुरु	02/11/2112		00/00/0000
मंगल	19/11/2085	राहु	26/08/2093	गुरु	17/02/2103	शनि	09/09/2115		00/00/0000
राहु	14/10/2086	गुरु	26/12/2094	शनि	27/03/2104	बुध	28/03/2118		00/00/0000
गुरु	02/08/2087	शनि	26/07/2096	बुध	25/03/2105	केतु	15/04/2119		00/00/0000
शनि	14/07/2088	बुध	26/12/2097	केतु	21/08/2105	शुक्र	15/04/2122		00/00/0000
बुध	20/05/2089	केतु	27/07/2098	शुक्र	21/10/2106	सूर्य	10/03/2123		00/00/0000
केतु	25/09/2089	शुक्र	27/03/2100	सूर्य	26/02/2107	चंद्र	08/09/2124		00/00/0000
शुक्र	26/09/2090	सूर्य	26/09/2100	चंद्र	27/09/2107	मंगल	26/09/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 1 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।